● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 BJP का मास्टरस्ट्रोक देख सहमा विपक्ष

04 रोजगार देने में व्यक्तिगत अभिरूचि लें बैंकर्स : डीएम

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, बुधवार, 13 दिसम्बर 2023 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 301

भजनलाल शर्मा राजस्थान के नये मुख्यमंत्री, दिया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा होंगे उपमुख्यमंत्री

जयपुर। सांगानेर से विधायक भजनलाल शर्मा राजस्थान के नये मुख्यमंत्री होंगे। उन्हें मंगलवार को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है। इसके साथ ही विधायक दिया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा उप मुख्यमंत्री होंगे। वासुदेव देवनानी को विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया है।

प्रदेश कार्यालय में हुई विधायक दल की बैठक में भाजपा हाईकमान द्वारा तय किए गए नाम का ऐलान किया गया और उस नाम पर सभी की सहमति बन गई। सूत्रों के मुताबिक नए मुख्यमंत्री के नाम का प्रस्ताव वसुंधरा राजे ने ही रखा। भजनलाल शर्मा मूलतः भरतपुर के रहने वाले हैं। फिलहाल वे प्रदेश महामंत्री के पद पर भी थे।

लक्ष्य व संकल्प के साथ कार्य करें युवा

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए राष्ट्रपति ने किया आह्वान

आईआईआईटी लखनऊ के दीक्षांत समारोह में शामिल हुई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

बीएनएम@लखनऊ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को लखनऊ में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी लखनऊ (आईआईआईटी लखनऊ) के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने मेधावियों को मेडल प्रदान कीं। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में

आयोजित संस्थान के इस दूसरे दीक्षांत समारोह में उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मैंने अभी देखा है कि आपके संस्थान के लोगों में विद्या ददाति विनयम... को उल्लेखित किया है जिसका अर्थ है विद्या विनय देती है और विनय से पात्रता आती है। पात्रता से धन आता है और धन से धर्म आता है। धर्म से सुख प्राप्त होता है। मुझे आशा है कि आप सब अपने संस्थान के ध्येय के अनुकूल आचरण करते हुए भविष्य का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि आईआईटी लखनऊ को विशेष दर्जा दिया गया है, यह दर्जा आपकी क्षमता का परिचायक है। मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं की इंजीनियरिंग और बिजनेस जैसे क्षेत्र में शिक्षा प्रधान करने वाले आईआईटी जैसे संस्थान शिखर पर खड़े हैं। डिजिटल बिजनेस के लिए संस्थान ने प्रोग्राम शुरू किया है, यह सराहनीय कदम है। राष्ट्रपति ने डिजायर, डेमोक्रेसी, डेवलपमेंट जैसे 5 डी का उल्लेख किया। भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरा करने के वक्त विकसित राष्ट्र का लक्ष्य रखा है।

इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यहां के युवा अपने पाठ्यक्रम के साथ-साथ अन्य एक्टिविटी में भी शामिल हो रहे हैं। यह बहुत अच्छी बात है। आज पूरी दुनिया भारत की और देख रही है। भारत के मनीषियों ने विश्व को बहुत कुछ दिया है। हमारी संस्कृति का संदेश विश्व बंधुत्व एवं सबक सुख की कामना का है। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में मुझे आईआईआईटी लखनऊ से बहुत उम्मीदें हैं। यहां के छात्र अपने साथ-साथ समाज के उसे वंचित लोगों का भी ध्यान रखें।

आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट में बदलाव से जुड़े नए विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने मंगलवार को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और साक्ष्य अधिनियम (एविडेंस एक्ट) में बदलाव से जुड़े पिछले सत्र के दौरान पेश विधेयकों को वापस लेकर तीन नए विधेयकों को मंगलवार को लोकसभा में पेश किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक, 2023 लोकसभा में पेश किया।

गृहमंत्री ने कहा कि पिछली बार पेश

विधेयकों को गृह विभाग की स्थायी समिति को भेजा गया था। समिति ने विधेयकों में कई बदलाव सुझाए थे। इनमें से बहुत से बदलावों को स्वीकार किया गया है। ऐसे में विधेयकों से जुड़े संशोधन लाने की बजाय नए ढंग से विधेयक लाए गए हैं।

गृह मंत्री ने विपक्ष के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि ज्यादातर बदलाव कॉमा, फुलस्टॉप से जुड़े हैं। पांच धाराओं में बदलाव किया गया है। स्थायी समिति में इस पर विस्तार से चर्चा हो गई है। सरकार नहीं चाहती कि विधेयकों को जल्दबाजी में पारित किया जाए। इस पर विस्तार से चर्चा होगी और उपयुक्त सुझाव मिलने पर बदलाव भी किए जा सकते हैं।

तीनों विधेयकों को आज सदन के विचार हेतु रखा गया है। विधेयकों पर गुरुवार को चर्चा कराई जा सकती है और शुक्रवार को इन पर गृहमंत्री चर्चा का जवाब दे सकते हैं।

प्रधानमंत्री के बारे में आपत्तिजनक लेख लिखने पर संजय राऊत पर देशद्रोह का मामला दर्ज

बीएनएम@मुंबई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में आपत्तिजनक लेख लिखने पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राऊत के विरुद्ध देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के यवतमाल जिला संयोजक नितीन भुतडा ने उमरखेड़ पुलिस स्टेशन में सोमवार को देर रात यह मामला दर्ज करवाया है।

नितीन भूतड़ा ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि संजय राऊत ने शिवसेना के मुखपत्र में प्रधानमंत्री मोदी को बदनाम करने संबंधी लेख लिखा है। इस लेख से समाज की भावनाएं आहत हो रही हैं। संजय राऊत के लेख से समाज के बीच दरार पैदा हो सकती है, इसी वजह से उन्होंने यवतमाल जिले के उमरखेड़ पुलिस में संजय राऊत के विरुद्ध देशद्रोह का मामला दर्ज करवाया है।

नितीन भूतड़ा ने कहा कि संजय राउत हमेशा जानबूझकर इसी तरह का लेख लिखते रहते हैं, इसलिए उन पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। मामला दर्ज कराते समय भाजपा जिला सचिव महेश कालेश्वरकर, अतुल खंडारे, पवन मेंढे, प्रतीक रुडे, प्रदीप शेरे, विक्की जोशी आदि उपस्थित थे।

मौसम दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में मौसम रहेगा ठण्डा

तापमान 5 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना

बीएनएम@नई दिल्ली

दिल्ली समेत देश के उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 5-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मंगलवार को मौसम विभाग के वैज्ञानिक नरेश कुमार ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तरी राजस्थान और उत्तर प्रदेश में न्यूनतम तापमान 5 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में तापमान में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं है। अगले चार दिनों तक इन क्षेत्रों में सुबह के समय घने कोहरा छाए रहने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण तापमान में बदलाव होता है । फिलहाल ऐसी कोई स्थिति नजर नहीं आ रही है। हिमालयन क्षेत्र में एक पश्चिमी विक्षोभ की संभावना बन रही है, जिसके कारण 16 दिसंबर को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी और बारिश की संभावना है। इसके कारण मैदानी इलाकों में तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक कमी आ सकती है। हालांकि 18 दिसंबर के बाद तापमान सामान्य रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार 12 और 16 दिसंबर को तमिलनाडु में भारी बारिश की संभावना है। इसके साथ 12 दिसंबर को लक्षद्वीप में भी बारिश की संभावना जताई गई है।

हिमाचल में कैबिनेट का विस्तार आज शाम

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सुक्खू सरकार का पहला कैबिनेट विस्तार आज बाद दोपहर होगा। शपथ ग्रहण समारोह के लिए राज्यपाल के दिल्ली से शिमला लौटने पर लौटने पर शाम को शपथ ग्रहण समारोह होगा।

राजभवन ने शपथ ग्रहण के लिए अस्थायी तौर पर शाम 4:45 बजे का समय निर्धारित किया है। मंत्री बनाने वाले संभावित विधायकों को शिमला बुला लिया गया है। बिलासपुर जिला से एकमात्र विधायक राजेश धर्माणी मंत्री पद की शपथ लेंगे। राजेश धर्माणी घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार विधायक बने हैं। उन्हें मुख्यमंत्री सुक्खू का करीबी माना जाता है।

सुक्खू कैबिनेट में मंत्रियों के तीन पद रिक्त चल रहे हैं। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि कितने पदों को भरा जाएगा। पिछले दिनों मुख्यमंत्री सुक्खू ने साफ किया था कि इसी महीने कैबिनेट विस्तार किया जाएगा। प्रदेश में पिछले कुछ माह से कैबिनेट विस्तार की चर्चाओं से सियासी गलियारों में सरगर्मी बढ़ी हुई थी।

यूएन महासभा में युद्धविराम प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली। इस्राइल-हमास संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) की आपात बैठक में गाजा में तत्काल युद्धविराम के लिए पेश किया गया प्रस्ताव पारित हो गया है। भारत समेत 153 देशों ने गाजा में युद्धविराम के पक्ष में मतदान किया। 10 सदस्यों ने इसका विरोध किया, जबकि 23 सदस्य अनुपस्थित रहे। युद्धविराम प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करने वाले देशों अमेरिका, ऑस्ट्रिया, चेक रिपब्लिक, ग्वाटेमाला, इस्राइल, लाइबेरिया, माइक्रोनेशिया, नाउरू, पापुआ न्यू गिनी और परागुआ शामिल हैं। इससे पहले, मिस्र के राजदूत अब्देल खालेक महमूद ने गाजा में युद्धविराम के लिए यूएन महासभा में प्रस्ताव पेश किया।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री 13 को शिवहर जिले में कई योजनाओं का करेंगे शिलान्यास

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 13 दिसम्बर को शिवहर जिले में कई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री के शिवहर दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गयी है। मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार के प्रयास से बरसों से उपेक्षित जिले के एकमात्र ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल देकुली धाम के जीर्णोद्धार का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार देकुली धाम में बाबा भुवनेश्वर नाथ महादेव की पूजा-अर्चना करेंगे। दीपक कुमार के इस प्रयास की सराहना जिले में होने लगी है। मुख्य सचिव रहते हुए दीपक कुमार ने अपनी माता के नाम पर कीमती जमीन देकर कमरौली स्थित पैतृक गांव में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खुलवाया था, जहां लोगों को अब इलाज की सुविधा मिल रही है। इसके बाद जिले के कई विकास कार्यों को उनके प्रयास से पूरा किया गया।

सत्याग्रह एक्सप्रेस में शराब के साथ युवक गिरफ्तार

मोतिहारी। सुगौली रेल पुलिस ने ट्रेन जांच के दौरान दिल्ली से आ रही है ट्रेन से एक युवक को 24 बोतल विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। रेल थाना प्रभारी जयप्रकाश सिंह ने मंगलवार को बताया कि आनंद विहार से रक्सौल आने वाली सत्याग्रह एक्सप्रेस की सुगौली में जांच की गई। जांच के दौरान एक युवक के पास दो बैग था जिसे रोक कर जांच की गई।जांच में उसके दोनों बैग से 12-12 बोतल सहित 24 बोतल ब्लेंडर प्राइड विदेशी शराब बरामद किया गया। रेल थाना प्रभारी ने बताया कि शराब के साथ गिरफ्तार युवक तुरकौलिया थाना के निमुइया चौक का विकास कुमार है।जिस पर बिहार मध निषेध अधिनियम के तहत केस दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

BJP का मास्टरस्ट्रोक देख सहमा विपक्ष

सुशील मोदी ने ललकारा, कहा बनारस रैली व फूलपुर से किस्मत आजमा लें

बीएनएम@पटना

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिना सीएम-फेस घोषित किये तीन हिंदी प्रदेशों में चुनाव लड़ने और तीनों राज्यों में स्पष्ट बहुमत पाने के बाद भाजपा ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदाय के विष्णु साय, मध्य प्रदेश में पिछड़े वर्ग के डा.मोहन यादव और राजस्थान में सवर्ण समाज के भजन लाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर सामाजिक न्याय का ऐसा उदाहरण सामने रखा है, जिससे 2024 से पहले इंडी गठबंधन की हवा निकल गई। सुशील मोदी ने तीनों मनोनीत मुख्यमंत्रियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि अब नीतीश कुमार बनारस में रैली करें या फूलपुर से चुनाव लड़ लें, कहीं उन्हें कोई पूछने वाला नहीं है। जदयू पहले उत्तर प्रदेश और अब मध्य प्रदेश की 10 सीटों पर जमानत जब्त करा कर बिहार के बाहर अपनी औकात देख चुका है। मोदी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन ने किसी यदुवंशी को मुख्यमंत्री नहीं बनाया और बिहार में जिन्हें बनाने के लिए एड़ी-चोट का जोर लगाया जा रहा है, वे रनौकरी के बदले जमीनर मामले में आरोपित हैं।

सुशील मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम ने नये मुख्यमंत्रियों के चयन में सभी वर्गों को साथ लेकर चलने और सबका सम्मान करने की गारंटी साबित की। मोदी ने कहा कि तीन राज्यों में भाजपा के पक्ष में आये जनादेश से हताश इंडी गठबंधन को बैठक टालनी पड़ी। विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्री किनारा करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने विपक्ष की भोपाल रैली रद करने का एकतरफा फैसला कर और फिर सपा-जदयू जैसे दलों को अलग-थलग छोड़ कर जो संदेश दिया, उससे तय था कि जहाज पहले ही सफर में डूबने वाला है।

उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन अब तक उप-समितियों की बैठक नहीं कर पाया, साझा उम्मीदवार तय करना तो बहुत दूर की बात है। उन्होंने कहा कि तीन प्रदेशों में भाजपा की शानदार विजय और धारा-370 हटाने के पक्ष में आया सुप्रीम कोर्ट का निर्णय 2024 के संसदीय चुनाव का एजेंडा तय कर चुका है, लेकिन सपनों में खोये नीतीश कुमार हवा का रुख देखना नहीं चाहते।

मुजफ्फरपुर में भारत फाइनेंस की शाखा में 38 लाख की लूट का खुलासा, दो मैनेजर गिरफ्तार

30 लाख रुपये कैश एवं अन्य सामान बरामद

बीएनएम@पटना

बीते छह दिसम्बर की मध्य रात्रि में बिहार के मुजफ्फरपुर जिले स्थित अहियापुर थाना क्षेत्र के शहबाजपुर स्थित एक निजी फाइनेंस बैंक (भारत फाइनेंस) की शाखा से 38 लाख रुपये की लूट हुई, जिसका मंगलवार को पुलिस ने उद्भेदन कर दिया।

सात दिसम्बर की सुबह सूचना के बाद आनन-फानन में एसएसपी राकेश कुमार के साथ जिले के तमाम पुलिस पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू की। बैंक मैनेजर ने पुलिस को बताया था कि अपराधी नकाब पहने थे। विरोध करने पर पिटाई की और जान से मारने की बात कही, जिसके बाद डर से सभी शांत हो गए और बदमाश 38 लाख रुपये लूट कर भाग गए। जाते-जाते तीन मोबाइल फोन भी छीन कर ले गए। इसके बाद सिटी एसपी और नगर एएसपी के नेतृत्व एक एसआईटी टीम का गठन किया गया। वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर पुलिस की टीम ने महज एक सप्ताह में ही इस मामले का उद्भेदन कर दिया।

मुजफ्फरपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि इस पूरे घटनाक्रम में इस कंपनी के दो मैनेजर ने मिलकर प्लान किया और अपने रिश्तेदार के सहयोग से इस घटना को अंजाम दे दिया। पुलिस को गलत जानकारी दी की कोई अपराधी लूट लिया है।

इस लूट कांड में पुलिस के द्वारा 38 लाख रुपये लूट की राशि में से 30 लाख रुपये कैश, लूट में उपयोग की गई बाइक, लूटी गयी तीन मोबाइल फोन के साथ साथ घटना को अंजाम देने वाले भारत फाइनेंस के दो मैनेजर इरफान अली और किशन गुप्ता को गिरफ्तार किया गया है।

राकेश कुमार ने बताया कि इस लूटकांड में किशन गुप्ता का चचेरा भाई अभी पुलिस गिरफ्त से दूर है। लूट की राशि में से शेष राशि की बरामदगी और फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम छापेमारी कर रही है।

तस्करी कर बिहार लाए जा रहे गांजा समेत दो भारतीय नागरिक को किया गिरफ्तार

मोतिहारी। नेपाल पुलिस ने बड़ी कारवाई करते हुए नेपाल से तस्करी कर बिहार लायी जा रही गांजा के साथ दो भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है।

उक्त कारवाई नेपाल के हेटौंडा पुलिस ने वार्ड नंबर 15 चूड़ियां माई के समीप की है। जहां एक बोलेरो पर लदी 45 किलो गांजा के साथ दोनो भारतीय नागरिक गिरफ्तार किये गये। जिनकी पहचान पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी शहर के बरियारपुर निवासी 24 वर्षीय भूषण कुमार एवं 21 वर्षीय साजन सिंह के रूप में हुई है। नेपाल जिला पुलिस कार्यालय मकवानपुर के अनुसार पूर्व-पश्चिम राजमार्ग अंतर्गत हेटौंडा की तरफ से बीरगंज आने के क्रम में डीएल 43 एनबी 5994 नंबर की भारतीय बोलेरो की जांच की गई। जिसमे उक्त गाड़ी से 45 किलोग्राम 120 ग्राम गांजा बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया की गांजा को बिहार ले जा रहे थे। नेपाल पुलिस बरामद गांजा एवं वाहन को जब्त कर दोनो तस्कर को जेल भेज दिया है।

मोहन यादव, विष्णु साय को सीएम बनाकर भाजपा ने विपक्ष की हवा निकाली :सुशील मोदी

बीएनएम@पटना

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिना सीएम-फेस घोषित किये तीन हिंदी प्रदेशों में चुनाव लड़ने और तीनों राज्यों में स्पष्ट बहुमत पाने के बाद भाजपा ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदाय के विष्णु साय, मध्य प्रदेश में पिछड़े वर्ग के डा.मोहन यादव और राजस्थान में सवर्ण समाज के भजन लाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर सामाजिक न्याय का ऐसा उदाहरण सामने रखा है, जिससे 2024 से पहले इंडी गठबंधन की हवा निकल गई। सुशील मोदी ने मंगलवार को तीनों मनोनीत मुख्यमंत्रियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि अब नीतीश कुमार बनारस में रैली करें या फूलपुर से चुनाव लड़ लें, कहीं उन्हें कोई पूछने वाला नहीं है। जदयू पहले उत्तर प्रदेश और अब मध्य प्रदेश की 10 सीटों पर जमानत जब्त करा कर बिहार के बाहर अपनी औकात देख चुका है। विपक्षी गठबंधन ने किसी यदुवंशी को मुख्यमंत्री नहीं बनाया और बिहार में जिन्हें बनाने के लिए एड़ी-चोट का जोर लगाया जा रहा है, वे रनौकरी के बदले जमीनर मामले में आरोपित हैं। उनकी एक मात्र योग्यता लालू प्रसाद का पुत्र होना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम ने नये मुख्यमंत्रियों के चयन में सभी वर्गों को साथ लेकर चलने और सबका सम्मान करने की गारंटी साबित की। तीन राज्यों में भाजपा के पक्ष में आये जनादेश से हताश इंडी गठबंधन को बैठक टालनी पड़ी। विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्री किनारा करने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने विपक्ष की भोपाल रैली रद करने का एकतरफा फैसला कर और फिर सपा-जदयू जैसे दलों को अलग-थलग छोड़ कर जो संदेश दिया, उससे तय था कि जहाज पहले ही सफर में डूबने वाला है। इंडी गठबंधन अब तक उप-समितियों की बैठक नहीं कर पाया, साझा उम्मीदवार तय करना तो बहुत दूर की बात है।

उन्होंने कहा कि तीन प्रदेशों में भाजपा की शानदार विजय और धारा-370 हटाने के पक्ष में आया सुप्रीम कोर्ट का निर्णय 2024 के संसदीय चुनाव का एजेंडा तय कर चुका है, लेकिन सपनों में खोये नीतीश कुमार हवा का रुख देखना नहीं चाहते।

शिव गुरू महोत्सव में उमड़े श्रद्धालु

मोतिहारी। जिले के चकिया स्थित चीनी मिल मैदान में शिव शिष्य हरीन्द्रानन्द फाउंडेशन के तत्वाधान में मंगलवार को आयोजित शिव गुरु महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य महेश्वर शिव के गुरू स्वरूप से एक-एक व्यक्ति का शिष्य के रूप में जुड़ाव कराने को लेकर किया गया।आयोजन में शामिल होने के लिए बिहार, झारखंड, यूपी, बंगाल और पड़ोसी देश नेपाल से शिव शिष्यों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। महोत्सव का शुभारंभ हर भोला जागरण धुन के साथ हुआ, शिव शिष्यों ने भी भगवान शिव के गुरु स्वरूप की चर्चा की, वही कई गुरुभाइयों ने शिव चर्चा व भजन सुनाकर शिव शिष्यों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

बौद्ध स्तूप के समीप कैफेटेरिया का सीएम ने किया उद्घाटन

करीब 19 करोड़ की लागत से बनने वाले टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का भी किया शिलान्यास

चुस्त रही सुरक्षा व्यवस्था

बौद्ध स्तूप का भी किया निरीक्षण

कार्यक्रम में कई मंत्री व विधायक रहे शामिल

अमृतेश कुमार ठाकुर

बीएनएम@केसरिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को केसरिया पहुँचे। इस क्रम में उन्होंने बौद्ध स्तूप के समीप नवनिर्मित कैफेटेरिया का उद्घाटन किया। इसके बाद कैफेटेरिया का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी ली। इसके उपरांत बोधगया से आये 26 सदस्यीय बौद्ध भिक्षुओं के दल द्वारा बौद्ध प्रार्थना की गई। जिसके बाद सीएम ने स्तूप के समीप पर्यटकीय सुविधा केंद्र के विकास कार्य का शिलान्यास भी किया।

उद्घाटन व शिलान्यास के उपरांत मुख्यमंत्री बौद्ध स्तूप पहुँचे। जहाँ स्तूप की परिक्रमा की। साथ ही स्थानीय गाइड सहेंद्र प्रसाद यादव से यहाँ हो रहे विकासात्मक कार्यों आदि की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बौद्ध स्तूप परिसर का विकास कार्य इस तरीके से करायें कि यहाँ आने वाले पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्य सड़क से बौद्ध स्तूप तक आवागमन को लेकर बेहतर पथ का निर्माण करायें।

उन्होंने कहा कि यहाँ आनेवाले पर्यटक स्तूप के चारों तरफ आसानी से घूम सकें इसको लेकर सुगम रास्ते का निर्माण कराया जाए। स्तूप के चारों ओर पर्याप्त रौशनी की व्यवस्था करें ताकि रात में भी लोग इसे ठीक से देख सकें। इसके लिए स्तूप के चारों तरफ हाई मास्क लाइट लगवाएं। निरीक्षण से पहले हेलीपैड पर जिले के प्रभारी मंत्री सह मद्यनिषेध एवं निबंधन मंत्री सुनील कुमार, विधि मंत्री शमीम अहमद, विधायक शालिनी मिश्रा, डीएम सौरभ जोरवाल, एसपी कांतेश कुमार मिश्र आदि ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल जाने के क्रम में कार्यकर्ताओं ने भी मुख्यमंत्री का अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री के साथ वित्त मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद थे।

लंबे अरसे बाद हुआ उद्घाटन

पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्यटन विभाग द्वारा करीब छः करोड़ की लागत से कैफेटेरिया (पर्यटक भवन) व इसके अप्रोच पथ का निर्माण कराया गया। इसको लेकर करीब पाँच एकड़ भूमि अधिग्रहित किया गया। निर्माण के लंबे अरसे बाद इसका उद्घाटन हुआ है। यह पर्यटक भवन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके समीप करीब 19 करोड़ की लागत से पर्यटकीय सुविधा केंद्र का विकास किया जाएगा। जिसके कार्य का शिलान्यास मुख्यमंत्री ने किया। यह कैफेटेरिया के समीप बनाया जाएगा। जिसमें पर्यटन को बढ़ावा देने व पर्यटकों को आकर्षित करने को लेकर कार्य किया जाएगा।

आधे घण्टे के लिए बंद रहा मार्ग

मुख्यमंत्री करीब 12 बजे कार्यक्रम स्थल पहुँचे। उनके आने से कुछ देर पहले लाला छपरा से केसरिया जाने वाली मार्ग को लाला छपरा व बौद्ध स्तूप के समीप बंद कर दिया गया। हेलीपैड से बौद्ध स्तूप व इसके आसपास का क्षेत्र पूरी तरफ पुलिस छवनी में तब्दील था। वहीं मुख्यमंत्री के आने की सूचना पर कार्यक्रम स्थल के आसपास लोगों का हुजूम उमड़ा था। लेकिन सुरक्षा कारणों से आमजन को कार्यक्रम स्थल पर जाने की अनुमति नहीं थी।

चुस्त रही प्रशासनिक मुस्तैदी

विधि व्यवस्था को लेकर कार्यक्रम स्थल व इसके आसपास के क्षेत्रों में दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी के साथ साथ सशस्त्र बल की तैनाती की गई थी। चंपारण रेंज के डीआईजी जयंत कांत के नेतृत्व में पुलिस बल मुस्तैद रही। वहीं चकिया एसडीओ शंभुशरण पाण्डेय, डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, बीडीओ मनीष कुमार सिंह, सीओ प्रवीण कुमार सिन्हा सहित दर्जनों अधिकारी पूरी मुस्तैदी के साथ कार्यक्रम के दौरान विधि व्यवस्था बनाये रखने में सक्रिय रहे।

सौंपा मांगपत्र

महात्मा बुद्ध सेवा संस्थान के अध्यक्ष सीताराम यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल केसरिया को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने, केसरिया को जिला बनाने, प्रति केसरिया महोत्सव का एक समय निर्धारित करने समेत विकास से जुड़े सात सूत्री मांग का एक ज्ञापन वित्त मंत्री विजय चौधरी के माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिया गया। प्रतिनिधि मंडल में पूर्व मुखिया राजकुमार प्रसाद, वसील अहमद खान, राजेंद्र सिंह, नेजाम खान, विश्वनाथ सिह, राकेश कुमार रत्न समेत कई लोग शामिल थे।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र राम, विधान पार्षद खालिद अनवर, विधायक मनोज यादव, पूर्व विधायक मो ओबैदुल्लाह, पूर्व विधायक रजिया खातुन, जदयू जिलाध्यक्ष मंजू देवी, शोभा सिंह, रजनीश कुमार पाठक, मो इशाक आजाद सहित अन्य मौजूद थे।

क्षेत्रवासियों को नहीं मिली नई सौगात

क्षेत्रवासियों को उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री उद्घाटन व शिलान्यास कार्यक्रम के मंच से केसरिया को कुछ नई सौगात देंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुख्यमंत्री सिर्फ उद्घाटन व शिलान्यास तक हीं सीमित रह गये। जिससे क्षेत्रवासियों में निराशा है।

उन्होंने संबोधन तक नहीं किया। इससे पहले जब भी नीतीश कुमार बतौर सीएम केसरिया आये कुछ न कुछ नई सौगात दिए। जिसमें सतरघाट पुल व केसरिया नगर पंचायत शामिल है। लेकिन इस बार लोगों को निराशा हाथ लगी।

फाइनेंस कर्मी से आठ हजार की लूट

बीएनएम@केसरिया। एल एण्ड टी फाइनेंस कंपनी के कर्मी से सोमवार को हथियार के बल पर लूट हुई है। हालांकि घटना में संलिप्त दो बादमाशों को ग्रामीणों ने पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया है। बताया जाता है कि चन्दौली रक्सौल का रामाकांत कुमार एल एण्ड टी फाइनेंस कंपनी के कोटवा शाखा में कार्यरत है। वह सोमवार की संध्या सागर चुरामन व बनपरुआ से कंपनी का पैसा वसूल कर कोटवा जा रहा था। इसी बीच सागर चुरामन गाँव के समीप बाइक सवार तीन बादमाशों ने हथियार दिखाकर आठ हजार नकद सहित अन्य समान लूट लिया। शोरगुल पर पहुँचे आसपास के ग्रामीणों ने दो बादमाशों को देशी कट्टा के साथ पकड़ा। ग्रामीणों द्वारा पूछे जाने पर पकड़े गये बादमाशों ने अपना नाम जमुनापुर का राजकुमार व मुन्ना कुमार बताया। वहीं एक अन्य बादमाश भागने में सफल रहा। घटना की सूचना थाना को दी गई। सूचना पर पहुँची पुलिस ने दोनों बादमाशों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

शुरुआत जिला पदाधिकारी ने पराली न जलाने की अपील की

कृषि यांत्रिकरण सह किसान मेला का उद्घाटन

बेतिया। मंगलवार को आई0 टी0 आई0 के समीप बरवत कृषि फार्म, बेतिया में जिला कृषि पदा0 आत्मा के तरफ से दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि यांत्रिकरण सह किसान मेला का आयोजन किया गया। इस किसान मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला पदाधिकारी, दिनेश कुमार राय के कर कमलो द्वारा फिता काटने के पश्चात किया गया। मंचासीन होने के उपरांत जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा गमला सहित पौधा जिला पदाधिकारी पश्चिम चम्पारण बेतिया, सिकटा विधायक विरेन्द्र गुप्ता, उप विकास आयुक्त, अनिल कुमार, जिला सूचना एवं जन संपर्क पदाधिकारी, अनन्त कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों को भेंट स्वरूप प्रदान कर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्जवलन के पश्चात विधिवत कृषि यांत्रिकरण सह किसान मेला का

उद्घाटन किया गया।

वक्ता के रूप में सिकटा विधायक विरेन्द्र गुप्ता ने किसानो को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को उत्पादन बढ़ाने के लिए यंत्रो का सहारा लेना आज के परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। किसान फसल उत्पाद के पश्चात अनाज निकालने में काफी समय व्यतीत होता आया है परंतु अब कृषि यंत्रो की सहायता से शीघ्र ही कार्य पुरा हो जायगा। किसानो से अपील की कि इसका भरपुर लाभ उठाया जाय।

किसान मेला में उपस्थित किसानो को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि आज के आधुनिक समय में विभिन्न नई तकनिक आधारित कृषि यंत्रो के आ जाने से कृषि कार्य में काफी सहूलियते मिलने लगी है। कृषि उत्पादन भी बढ़ने लगा है। कृषि फसल कटाई के पश्चात प्रायः किसान खेतो में पड़े पराली को जमींनदोज न करके इसे आग लगाकर जला देते है जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति क्षीण हो जाती है एवं वातावरण भी दूषित हो जाता है। इससे हमारे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। पशु पक्षी भी बुरी तरह प्रभावित हो जाते है।

जिला पदाधिकारी ने सभा में उपस्थित किसनो से अपील की कि पराली खेतो में न जलाये। सरकार किसानों को उनके उत्पादन बढ़ाने के लिए सब्सीडी विभिन्न योजनाओ अंतर्गत दिये जाने के बारे में विस्तृत जानकारी जिला पदाधिकारी द्वारा दी गई। उन्होने कहा कि बिहार कृषि यंत्र अनुदान के लिए किसानो का पंजीकरण जिला कृषि कार्यालय में जिला कृषि पदाधिकारी प्रवीण कुमार राय के द्वारा करवाया जा रहा है। इसके लिए व्यापक प्रचार प्रसाद किया जाना चाहिए। आनलाईन पंजीकरण का भी प्रावधान है।

कस्तूरबा बालिका उच्च विद्यालय के मैट्रिक व इंटर की छात्राएं बोर्ड परीक्षा में नहीं होंगी शामिल

मोतिहारी। जिले के रक्सौल प्रखंड स्थित कस्तूरबा बालिका उच्च स्कूल के मैट्रिक और इंटर की छात्राएं इस बार मुख्य परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगी, सभी छात्राएं अप्रैल माह में होने वाले स्पेशल परीक्षा में शामिल होंगी। इसकी जानकारी जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार ने दी है। डीईओ श्री कुमार ने बताया कि साइबर कैफे संचालक की गलती के कारण कस्तूरबा बालिका उच्च विद्यालय रक्सौल के 952 छात्राएं इंटर और मैट्रिक के परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित रह गई है। परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित छात्राएं मैट्रिक की 742, इंटर की 210 छात्राएं शामिल हैं। बोर्ड के आदेश के बाद सभी छात्रों का दोबारा फॉर्म भरा जाएगा। इसके लिए अलग से जब पोर्टल खुलेगा तभी यह सभी छात्राएं फॉर्म भर सकेंगी। इसके बाद सभी छात्राएं अप्रैल में होने वाले स्पेशल परीक्षा में शामिल हो पाएंगी। वहीं डीईओ संजय कुमार ने बताया कि विद्यालय के एचएम अजय कुमार पर भी कार्रवाई होगी। एचएम अजय कुमार द्वारा साइबर संचालक पर पहले ही एफआईआर दर्ज करा दिया गया था। साइबर संचालक भी जेल जा चुका है। डीईओ ने कहा कि छात्राएं मन से तैयारी करें। अप्रैल माह में सभी छात्राओं का परीक्षा होगा। बता दें कि साइबर कैफे संचालक और स्कूल प्रशासन के लापरवाही से मैट्रिक और इंटर के छात्राओं का फॉर्म नहीं भरा जा सका था। छात्राओं ने फॉर्म इसकी राशि भी जमा करा दी थी। सभी छात्राओं से साइबर संचालक द्वारा 11 लाख 15 हजार रुपए भी वसूल कर लिया था।

एनसीसी कैम्प में राइफल फायरिंग का अभ्यास

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के अरेराज स्थित महंत शिवशंकर गिरि महाविद्यालय में चल रहे संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन कैंप जीवन की शुरुआत पीटी यानी शारीरिक प्रशिक्षण से हुई। इसके पश्चात ड्रिल प्रशिक्षण के अंतर्गत खड़े-खड़े दाहिने,बाएं और पीछे मुड़ने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके पश्चात प्वाइंट 2.2 राइफल का फायरिंग का अभ्यास संपन्न हुआ।हवलदार उलझन थापा, कैलाश, याद, माणिक, मनीष और सागर ने फायरिंग के तीन उसूलों दुरुस्त पकड़, और दुरुस्त शिस्त और सांसों को बंद करने के मुद्दों को कैडेटों को बतलाया।

इसके बाद फिल्ड सिग्नल का क्लास चला, जिसमें नायब सूबेदार दिवाकर गुरुंग ने कैडेटों को प्रशिक्षित किया। तत्पश्चात मैप रीडिंग का वर्ग संपन्न हुआ जिसमें कैडेटों को मैप टू ग्राउंड और ग्राउंड टू मैप और कंपास तथा सर्विस प्रोटेक्ट का परिचय दिया गया जिसका निर्देशन सूबेदार सुनील द्वारा किया गया।

इसके बाद अग्निवीर से संदर्भित कक्षा का आयोजन किया गया जिसमें कैडेटों को सामान्य ज्ञान का प्रशिक्षण दिया गया। कैडेटों को लाइन ले आउट का भी प्रशिक्षण दिया गया। खेल की कक्षाएं चलीं और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए। विदित हो कि 25 बिहार बटालियन के समादेशी पदाधिकारी कर्नल प्रदीप कुमार सिंह(सेना मेडल)के सुयोग्य निर्देशन में कैंप जीवन के समस्त कार्य संपन्न हो रहा है।यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कैप्टन(डॉ.)अरुण कुमार ने दी है।

रोजगार देने में व्यक्तिगत अभिरूचि लें बैंकर्स : डीएम

लक्ष्य की प्राप्ति में लापरवाही, शिथिलता और कोताही बरतने वाले बैंकर्स के विरूद्ध की जायेगी विधिसम्मत कार्रवाई

बीएनएम@बेतिया

जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिलास्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिलास्तरीय समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुयी।

इस बैठक में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, साख-जमा, वार्षिक ऋण योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना, स्वयं सहायता समूह (जीविका), पीएम-स्वनिधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, जन सुरक्षा योजना सहित अन्य योजनाओं की कार्य प्रगति की बैंकवार समीक्षा की गयी।

समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि सीडी रेसियो में जिन बैंकों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कम है, वे इसमें ससमय वांछित सुधार लाएं। पीएमइजीपी, किसान क्रेडिट ऋण योजना, मुद्रा योजना आदि बेहद महत्वपूर्ण है। इसके क्रियान्वयन में अधिकारी एवं बैंकर्स तत्परता दिखाएं तथा इच्छुक व्यक्तियों को लाभान्वित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि बेरोजगारों को रोजगार दिलाने के लिए संबंधित अधिकारी एवं बैंकर्स सार्थक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत अभिरूचि लेते हुए तेजी के साथ अपेक्षाकृत सुधार करने की आवश्यकता है। विभिन्न योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य की ससमय प्राप्ति करें ताकि अधिक से अधिक बेरोजगार युवक-युवतियों को लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि रूचि नहीं लेने वाले बैंकर्स के विरूद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जायेगी।

उन्होंने एलडीएम को निर्देश दिया कि जिन बैंकों का प्रदर्शन बेहतर नहीं है, उनसे समन्वय स्थापित कर अपेक्षाकृत सुधार लाना सुनिश्चित करेंगे। कार्य प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा करेंगे। कम उपलब्धि वाले बैंकर्स को शोकॉज करने सहित अन्य नियमानुकूल कार्रवाई करें।

मानव अधिकार दिवस पर एक दिवसीय परिचर्चा का आयोजन

मोतिहारी। शहर स्थित श्री नारायण सिंह महाविद्यालय में मंगलवार को मानव अधिकार दिवस के अवसर पर एकदिवसीय परिचर्चा का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के सहायक प्राचार्य सह मुख्य वक्ता प्रो. मृत्युंजय कुमार यादवेन्दु रहे। उक्त अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार और मुख्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मानव अधिकार दिवस के अवसर पर एनएसएस इकाई द्वारा महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार ने मानव अधिकार दिवस की प्रासंगिकता एवं छात्रों को इस परिचर्चा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य वक्ता

प्रो. (डॉ.) मृत्युंजय कुमार यादवेंदु ने सविस्तर से भारत में होने वाले प्रमुख मानव अधिकार आंदोलन का पृष्ठभूमि उसके प्रमुख कार्यकर्ताओं का परिचय देते हुई न केवल उनके संघर्षों का विस्तार से वर्णन किया बल्कि मानव अधिकारों को प्राप्त करने के लिए छात्रों और छात्राओं को लगातार सक्रिय रहने की आवश्यकता पर भी जोड़ दिया। इसके पश्चात भाषण और निबंध प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय आने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेश नारायण के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मिंकेश चौधरी, डॉ.बी.के. राम, प्रो. नीतीश कुमार, डॉ. सुधा कुमारी, डॉ. सी.के. पांडे, डॉ. शहला परवीन सहित कार्यालय सहायक प्रमुख राधाकृष्ण,विजय कुमार और प्रमुख स्वयंसेवकों में कफील अहमद, अमरजीत आंचल कुमारी, मोहित कुमार, प्रिंस सहित अन्य उपस्थित रहे।

BORDER NEWSMIRROR

Wednesday 13 December 2023

Editorial

सशक्त हुई भारतीय नौसेना

नौसेना बल की उपलब्धियां और राष्ट्र में उनके योगदान का वर्णन जितना किया जाए, उतना कम होगा। आज भारत में ही नहीं, पूरे वर्ल्ड में हमारी नौसेना की वाहवाही होती है, क्योंकि वह दिनों दिन अपने नए-नए प्रयोगों से नित नई ऊंचाइयां छू रही है। इस कड़ी में अब एक और नया अध्याय जुड़ गया है। नौसेना में आधी आबादी ने दस्तक दे दी है। इसी सीजन में एक हजार 'अग्निवीर महिला सैनिक' नौसेना में शामिल हुई हैं जिससे इस टुकड़ी की न सिर्फ ताकत बढ़ी, बल्कि उनके अनुशासन कार्यान्वयन में भी क्रांतिकारी परिवर्तन आना शुरू हुआ। आज 'नौसेना दिवस' है। इस बार ये दिन इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें अब महिलाओं की भी सहभागिता सुनिश्चित हो गई है। नौसेना में पहली मर्तबा 'नौसेनिक पोत' पर महिला कमांडिंग अधिकारी को नियुक्त किया गया। सरकार का ये कदम निश्चित रूप से अकल्पनीय और सराहनीय है। महिला सशक्तिकरण में भारत ने एक और कदम आगे बढ़ा दिया है। बहरहाल, आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण और जलीय निगरानी तंत्र में स्वदेशी जहाज, पनडुब्बी, आईएनएस विक्रांत, जलीय विमान, यूएवी यानी मानव रहित हवाई वाहन, हमारी नौसेना की ताकत हैं। उनकी सुरक्षा अभेद है। पलक झपकते ही दुश्मन को पानी में डुबोने की हिम्मत रखती है। नौसेना के इतिहास और आज के खास दिवस की बात करें, तो उसका एक सुनहरा युग हमने व्यतीत किया है। सन 1971 के इंडो-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के शुरू होने कीं याद में हमारी सेना प्रत्येक वर्ष 4 दिसंबर को 'नौसेना दिवस' का पर्व मनाती है। इंडियन नेवी की पूर्ण स्थापना की जहां तक बात है तो श्रीगणेश 1612 में हुआ। जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने 'रायल इंडियन नेवी' नाम से अपनी सेना बनाई थी। उस वक्त ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कमर्शियल शिपों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर इस सैन्य का गठन किया था। पर, आजादी मिलने के बाद स्वतंत्र व्यवस्था ने 1950 में भारतीय नौसेना के रूप में पुनर्गठित कर दिया। नेवी डे समुद्री सीमाओं को सुरक्षित सहजने और जलीय ऑपरेशन व मिशनों को मुकम्मल करने के तौर पर भी याद किया जाता है।

कोई भी संख्या पूर्ण से बड़ी नहीं होती

हृदयनारायण दीक्षित

अस्तित्व में दो नहीं। यहां द्वैत नहीं है। वेदांत अनुभूति में इसे अद्वैत कहा गया। ऋग्वेद के एक ऋषि ने इसे 'पुरुष' कहा और बताया कि जो भूतकाल में अब तक हो चुका और जो आगे होगा वह सब पुरुष ही है। पुरुष एक है। इसी के भीतर सम्पूर्णता है। यही बात ऋग्वेद में 'अदिति' के लिए कही गई है और छान्दोग्य उपनिषद में 'भूमा' के लिए। भूमा सम्पूर्णता का पर्याय है। पूर्ण भारतीय दर्शन की अनोखी खोज है। 'पूर्ण' असीम विराट है। संख्या गणित का विषय है। विराट अस्तित्व के रहस्य गणित की पकड़ में नहीं आते। गणित में बड़ी से बड़ी संख्या भी पूर्ण का ही भाग होती है। कोई भी संख्या पूर्ण से बड़ी नहीं होती। 'पूर्ण' वैदिक पूर्वजों का आत्मीय विषय रहा है। 'शतपथ ब्राह्मण' उत्तर वैदिक काल का प्रमुख सामाजिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक व दार्शनिक ग्रंथ है। इसमें संख्या व गणित के तमाम उल्लेख हैं लेकिन इसी के अंश वृहदारण्यक उपनिषद (पांचवें अध्याय) में पूर्ण की रम्य व्याख्या है। बताते हैं-'वह पूर्ण है, यह पूर्ण है-'पूर्णमदः पूर्णमिदं'। मन प्रश्न करता है कि क्या पूर्ण भी दो हो सकते हैं। एक यह पूर्ण और दूसरा वह पूर्ण। इस जिज्ञासा का उत्तर भी इसी मंत्र में है-'यह पूर्ण उस पूर्ण का ही विस्तार है-पूर्णात पूर्णमुदच्यते।' शंका तो भी शेष न रहे इसलिए आगे कहते हैं-'पूर्ण में पूर्ण निकाल देने पर भी पूर्ण ही बचता है-पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।' भारतीय अनुभूति का यह पूर्ण उल्लासदायी है। प्रगाढ़ अनुभूति और दर्शन में 'पूर्ण' पूरा पूर्ण है। हम सबको अनेक पूर्ण दिखाई पड़ सकते हैं। लेकिन उन्हें पूर्ण नहीं कहा जा सकता। जो वास्तविक पूर्ण है, उस पूर्ण में कुछ भी घटाओ, जोड़ो, गुणा करो, पूर्ण पूर्ण ही रहता है। निस्संदेह गणित में कोई भी अंश या संख्या पूर्ण से छोटी होती है लेकिन पूर्ण अनुभूति में अंश या संख्या भी पूर्ण ही होती है। सारी संख्याएं पूर्ण का ही अविभाज्य अंश हैं और अंश कभी पूर्ण से पृथक अस्तित्व नहीं रखते। इस दृष्टि से हम सब पूर्ण हैं। पूर्णता के बोध के अभाव में अपूर्ण जान पड़ते हैं। अपूर्ण होना दुख है, पूर्ण होना आनंद। वेदों में अनेक देवों की स्तुतियां हैं। पश्चिमी विद्वान इसी आधार पर भारतवासियों को बहुदेववादी बताते हैं। हम भारतवासी बहुदेववादी नहीं, बहुदेव उपासक हैं। ऋषि की घोषणा है कि इन्द्र, अग्नि तमाम देवता हैं लेकिन सत्य एक है, विद्वान उसे भिन्न-भिन्न ढंग से बताते हैं। तैत्तिरीय उपनिषद में कहते हैं-'वह पुरुष और आदित्य में एक ही है।' संभवतः कुछ विद्वान पुरुष को और कुछ सूर्य को अलग-अलग बताते रहे होंगे। ऋषि दोनों को एक बताते हैं। पूर्णता सनातन प्यास है। हम सब अपूर्ण हैं। भोजन या पानी की प्यास अपूर्णता का संदेश है। सांसारिक उपलब्धियों की इच्छा भी हमारी अपूर्णता की ही सूचना है। इच्छा, अभिलाषा या आकांक्षा अपूर्णता के ही बोधक हैं। तनावग्रस्त होने का कारण भी हमारी अपूर्णता है। हम अतृप्त हैं। हम किसी भी मार्ग या उपाय से समृद्धि चाहते हैं और समृद्धि अतिशीघ्र नई रिक्तता में बदल जाती है। सुख फिसल जाता है, दुख घेर लेता है। प्रकृति सृष्टि सम्पूर्णता है। सम्पूर्णता में ही रहती है। सम्पूर्णता में ही प्रकट होती है। यहां सामान्य गणित नहीं है। पूर्ण से पूर्ण घटा देने पर शून्य नहीं बचता। यहां अस्तित्व की सम्पूर्णता का सुन्दर विवेचन है-'मेरा मन ऐसा ही मंत्र गढ़ने को उतावला है-मैं अपूर्ण हूं। हम सब अपूर्ण हैं। मैं में हम घटाओ तो अपूर्ण मैं ही बचता है।' मैं दुख है, हम होना सुख है और सम्पूर्ण होना आनंद। सम्पूर्णता की प्यास स्वाभाविक ही गहरी ही होनी चाहिए।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

Today's **Opinion**

मायावती के लिए आत्मचिंतन का समय

रमेश सर्राफ धमोरा

हाल ही के राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम विधानसभा के चुनाव में बहुजन समाज पार्टी का ग्राफ तेजी से गिरा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी पट्टी वाले प्रदेशों में बहुजन समाज पार्टी एक तीसरे विकल्प के रूप में अपनी ताकत का एहसास कराती आई थी। मगर इस बार के विधानसभा चुनाव में बसपा का पूरी तरह सूपड़ा ही साफ हो गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में राजस्थान में बसपा को 4 प्रतिशत वोट व 6 सीटों पर जीत मिली थी। मगर इस बार यहां बसपा 1.82 प्रतिशत वोटों के साथ मात्र दो सीटों पर ही सिमट गई है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में बसपा को मात्र 721037 वोट मिले हैं। मध्य प्रदेश में पिछली बार बसपा को दो सीट व 5.01 प्रतिशत वोट मिले थे। इस बार के बसपा को 3.40 प्रतिशत यानी 14,77,202 वोट तो मिल गए मगर सीट एक भी नहीं मिली। इसी तरह छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पिछली बार बसपा को दो सीटों के साथ 552313 यानी 3.9 प्रतिशत वोट मिले थे। मगर इस चुनाव में वहां बसपा को सीट तो एक भी नहीं मिली उसके साथ ही वोटों में भी गिरावट दर्ज हुई है। वहां बसपा को 319903 यानी 2.05 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। तेलंगाना के विधानसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला। वहां पार्टी को 321074 यानी 1.37 प्रतिशत वोट मिले मिजोरम में तो वैसे ही बसपा का कोई नाम लेवा नहीं है। 2022 में हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बसपा 53 सीटों पर चुनाव लड़ी मगर एक भी प्रत्याशी नहीं जीत पाया था। वहां पार्टी को 14613 यानी 0.35 प्रतिशत मत मिले थे। पिछले गुजरात विधानसभा के पिछले चुनाव में वहां बसपा ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा। जिसमें 100 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों के जमानत जब्त हो गई थी। वहां पार्टी को मात्र 158123 यानी 0.5 प्रतिशत मत मिले थे। उत्तराखंड में बसपा के दो व पंजाब में एक विधाक हैं। उत्तर प्रदेश की स्थिति देखें जहां से बसपा का जन्म हुआ था, वहां 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी महज एक सीट ही जीत सकी थी। वहां बसपा को सिर्फ 12.88 प्रतिशत मत मिले थे। वहीं 2017 के विधानसभा चुनाव में 19 सीट व 22.31 प्रतिशत वोट मिले थे। 2012 के विधानसभा चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 80 सीटों के साथ 25.91 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने 30.43 प्रतिशत वोटो के साथ 206 सीट जीतकर अपने दम पर सरकार बनाई थी। 2002 के चुनाव में बसपा को 98 सीट व 23.6 प्रतिशत वोट मिले थे। 1996 के चुनाव में 67 सीट व 19.64 प्रतिशत वोट मिले थे। 1993 के चुनाव में 67 सीट व 11.12 प्रतिशत वोट, 1991 के चुनाव में 12 सीट व 9.44 प्रतिशत वोट मिले थे। 1989 के चुनाव में पहली बार बसपा ने उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़कर 13 सीट तथा 9.41 प्रतिशत वोट पाए थे। इन आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि बहुजन समाज पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है। लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देख तो 2019 के चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 10 सीटें व 3.67 प्रतिशत वोट मिले थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि पार्टी को 4.19 प्रतिशत वोट मिले थे। 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में 20 व मध्य प्रदेश में एक कुल 21 सीट व 6.56 प्रतिशत वोट पाए थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 19 सीट जीतकर 5.33 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1999 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 14 सीट जीती थी तथा 4.16 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1998 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में चार व हरियाणा में एक कुल पांच सीट जीती थी तथा 4.67 प्रतिशत वोट पाए थे। 1996 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 6 पंजाब से तीन व मध्य प्रदेश से दो यानि कुल 11 सीट जीती थी तथा 4.02 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1991 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने मध्य प्रदेश में एक पंजाब में एक व उत्तर प्रदेश में एक कुल तीन सीट जीती थी वहीं 1.61 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1989 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा था और पार्टी ने उत्तर प्रदेश में तीन व पंजाब में एक कुल चार सीटे जीत कर 2.07 प्रतिशत वोट पाये थे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

केदारनाथ शब्द मसीहा की पुस्तक 'न औरत' का हुआ लोकार्पण

मजदूर महिलाओं के गर्भाशय निकालने पर केंद्रित है यह किताब

हेमलता म्हस्के

का का सा हे ब कालेलकर और विष्णु प्रभाकर संस्थान की ओर से गांधी हि न्दु स्त ा नी साहित्य सभा, 1, जवाहर लाल नेहरू मार्ग , दिल्ली में सन्निधि संगोष्ठी का आयोजन 18 फरवरी को दोपहर 1.30 बजे से 5.00 तक किया गया। संगोष्ठी के पहले सत्र में केदारनाथ शब्द मसीहा के उपन्यास "न-औरत" पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ पूरन सिंह ने की। मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ चंद्रमणि ब्रह्मदत्त जो कि जाने-माने साहित्यकार हैं और कई साहित्यिक संस्थाओं के संचालक है, मंच पर उपस्थित थे।

कार्यक्रम का प्रारंभ विख्यात साहित्यकार श्री विष्णु प्रभाकर जी के सुपुत्र अतुल कुमार जी द्वारा सभी लोगों को सन्निधि संगोष्ठी के विषय में और कार्यक्रम की रूपरेखा बताने के बाद हुआ। उपन्यास पर चर्चा की शुरुआत में लघुकथाकार और यूट्यूबर अंजू खरबंदा के रिकॉर्डिंड वक्तव्य से हुई। उसके बाद पिंकी कुमारी द्वारा केदारनाथ शब्द मसीहा के व्यक्तित्व और उनके उपन्यास के विषय में उनका वक्तव्य सुनाया गया।

प्रख्यात लेखक एवं रंगमंच पर अनेकों शानदार प्रस्तुति दे चुके श्री कैलाश चंद ने उपन्यास की आवश्यकता और उसमें उठाए गए विषयों पर प्रकाश डाला। केदारनाथ शब्द मसीहा द्वारा अपने उपन्यास के विषय में और वर्तमान दौर में ग्रामीण जीवन जी रही नारियों की दशा, उनका शोषण, समाज में फैला हुआ अनाचार,गरीबों के लिए कोढ़ बना हुआ धर्म, समाज की उदासीनता, औरत मर्द के बीच के

बीच की गैर बराबरी और उपन्यास की अनेक घटनाओं पर मार्मिक एवं प्रश्न उठाने वाला वक्तव्य दिया गया, जिसे उपस्थित सभी श्रोताओं ने मौन रहकर आत्मसात किया। डॉक्टर चंद्रमणि ब्रह्मदत्त जी ने न सिर्फ उपन्यास पर चर्चा की अपितु उसके आसपास नारी अस्मिता को लेकर अनेक उदाहरण देते हुए, लेखकों के समक्ष नए विषय भी सुझाए। उन्होंने अपने वक्तव्य में सरकारी टोल टैक्स की नाजायज वसूली और जनता को लूटने के बारे में विस्तृत चर्चा की।

समाज में फैले हुए अनाचार और नारी की दशा सहित उपन्यास पर उन्होंने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। अंत में अध्यक्षीय भाषण में डॉ पूरन सिंह ने उपन्यास की पृष्ठभूमि, औरत की दशा, ग्रामीण जीवन और पुस्तक पर अपने विचार रखे और वक्ताओं द्वारा दिए गए विचारों को रेखांकित किया। दूसरे सत्र में श्री सदानंद कवीश्वर, अंजू खरबंदा, डॉ पूरन सिंह, केदारनाथ शब्द मसीहा, पुष्पा जी एवं कई दूसरे उपस्थित श्रोताओं द्वारा अपनी लघु कथा का पाठ किया गया।

कार्यक्रम अर्चना प्रभाकर जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं उपस्थित सभी लोगों के सामूहिक चित्र लिए है। इस पूरे कार्यक्रम के सूत्रधार प्रसून लतान्त जी रहे जिन्होंने शानदार मंच संचालन किया एवं केदारनाथ शब्द मसीहा को तिलकामांझी सम्मान द्वारा सम्मानित करने की घोषणा की ।

सहज और सरल भाव से पाठकों के अतंस तक पहुंचती हैं रचनाएं

डॉ पुष्पा जोशी

बहरुपिया चांद जैसा कि इस काव्य-संग्रह का नाम है। वास्तव में चांद बहरुपिया ही है। सत्ताईस नक्षत्रों को एक-एक दिन स्वयं में आत्मसात करता हुआ अपने आकार को प्रतिदिन परिवर्तित करता रहता है।

कभी दूज का चांद कभी परेवा का चांद कभी चौथ का चांद कभी पूरी तरह अदृश्य अमावस्या का कभी पूर्ण रूप धर अपनी अद्भुत छटा बिखेरता चांद.....अब देखते हैं डॉ ज्योत्स्ना जी का चांद कैसा है.....

चांदी से चमकीले
कभी पीले कभी नीले
रौशनी से भरे-भरे
तारों संग इठलाते हो
बहरुपिया हो चांद तुम
कभी मामा ,कभी भाई
कभी बेटा ,कभी साजन
कभी गहना,कभी दुल्हन

मुझे लगता है चांद के रुप वर्णन करने से कोई लेखक, कवि अछूता नहीं रहा होगा। गद्य हो या पद्य चांद सभी जगह अपनी पकड़ बनाए रहा। हमारी डॉक्टर साहिबा ने तो चांद को पूरा काव्य -संग्रह ही समर्पित कर डाला।

कवयित्री का प्रथम काव्य-संग्रह ७५ छंदमुक्त कविताओं के साथ काव्य का अमृत महोत्सव मना रहा है। बहरुपिया चांद कविता-संग्रह में कोई भी विषय अछूता नहीं रहा है। मानवता,राष्ट्र, प्रकृति, सम्बन्ध और दोस्ती पर भी कविताएं पाठकों को यहां पढ़ने को मिलेंगी।

वैसे भी दोस्ती कविता न रची गई हो तो सब निरर्थक सा लगता है। अरे ! दोस्त ही तो दोस्त की आंखों से बरसात की बूंदों में से आंसू पहचान लेता है।' दोस्ती ' 'दोस्त हैं वो मेरा ' 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे ' इन तीनों कविताओं का निचोड़ रही है....

बिन दोस्त जीना
क्या जीना, दोस्त
खूं के रिश्ते से भी
अज़ीज़ लगते हैं

दोस्त के लिए कही गई इस बात को किसी कसौटी की आवश्यकता नहीं।' पूनम की रात आज ' कविता में उत्कृष्ट श्रृंगार की छटा देखते ही बनती है-

ओढ़ के चूनर सितारों भरी
निकला लो चांद आज

यहां चांद का मानवीकरण पाठकों को देखने को मिलेगा।

' परिभाषा प्रेम की ' कविता की बानगी देखें...

तोड़ देता कारागार
काट देता लौह बन्धन
लांघता उफनते सागर
तोड़ता हर वर्जना
कुछ भी कर सकता है प्रेम
क्योंकि प्रेम तो बस प्रेम है

मेरे विचार से प्रेम को परिभाषित नहीं किया जा सकता।वह तो अनंत है,असीम है, अद्भुत अनुभूति का द्योतक है। प्रेम की कल्पना परिकल्पना उसे बांध नहीं सकते।

'प्यारी हिन्दी' , 'तेरे लिए ऐ देश मेरे ',' गुरु महिमा ' कविताएं अलग-अलग कलेवर से पाठकों को अपनी भाषा का मान ,देश की शान और गुरु की सम्मान करने की सीख देंगी।

' लो जी होली तो होली ' , 'आज रंग है ',छिपाओ न प्रीत .....

होली के रंगों से पाठकों को सराबोर करती हुई कविताएं फाग के माह में पहुंचा देंगी।

डॉ ज्योत्स्ना जी काव्य-संग्रह का श्री गणेश सरस्वती वंदन फिर गुरुओं के नमन से किया है।

मेरा मानना है कि अपने प्रथम काव्य-संग्रह बहरुपिया चांद में कवयित्री डॉ ज्योत्स्ना सिंह जी ने अपने शब्द-चयन और शिल्प-सौष्ठव में परिपक्वता का परिचय देते हुए अत्यंत सहज

और सरल भाव से पाठकों के अतंस तक पहुंचने का प्रबंध कर लिया है।

आपकी काव्य का स्थाई भाव उत्कृष्टता में विराट का सृजन करे। ज्योत्स्ना जी आप कालजयी सृजन करती हुई कविता यात्रा में अग्रसर हों।

बहरुपिया चांद आपके लिए मील का पत्थर साबित हो। अमृत प्रकाशन को भी उत्कृष्ट काव्य -संग्रह प्रकाशित करने के लिए हार्दिक बधाई देती हूं। डॉ ज्योत्स्ना जी को बहरुपिया चांद कविता-संग्रह के आत्मिक बधाई, शुभकामनाएं देती हूं।

पुस्तक समीक्षा–बहरुपिया चांद (कविता–संग्रह)

रचयिता-डॉ.ज्योत्स्ना सिंह 'अंदलीब '
छंदमुक्त कविताएं-75 मूल्य-350 रूपए
पृष्ठ-168 अमृत प्रकाशन दिल्ली

पूजा 'बहार'

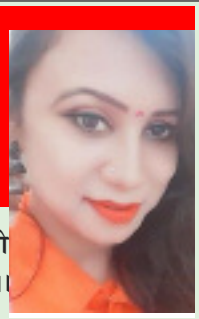

उसने बिना मांगे
सब कुछ दिया।।

दर्द दिया
तन्हाई दी
आँसू दिए
बेवफाई दी।।

ज़माने भर के
ग़म दिए।।

रुसवाईयां दीं
नहीं दिया तो बस
वो थोड़ा सा
वक़्त।।

जिस पर
मेरा हक़ था
सिर्फ मेरा!!!

राजा मीना
मीना हाई कोर्टनांगल राजावतान
दौसा (राज.) मो.9782253457

कविता : मां

मां ऐसा कहती है
संभल संभल के चलना बेटा
दुनियां की राहों में कष्ट बहुत आएगा बेटा
जीवन की इन पड़ावों मे
ये संसार ऐसा ही हैं
जिसने सीता माता पर भी
मिथ्या आरोप लगाया था
तुम तो साधारण सी लडकी हो
दुनिया कि बातो उलझ गई तो
मार्ग भटक जाओगी
सोच समझकर निर्णय लेना बेटा
दुनिया की इन राहों में
द्रौपदी की लाज बचाने
कृष्ण मुरारी आये थे
अब तो कलयुग है कृष्ण कहां से आएंगे
कैसे तुम्हे बचायगे
तुम्हे अपनी लड़ाई
स्वयं लड़नी होगी वीरागना बनकर
अपनी रक्षा स्वयं करनी होगी
यदि हिम्मत हार गई तो
कैसे तो कैसे लड़ पाओगी
हिम्मत साहस से चलना बेटा
दुनिया की इन राहों में ।।

मूंगफली के फायदे हैं लाजवाब

सर्दी के दिनों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो जाती है। इस मौसम में सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जनता से रिश्ता वेबडेस्क। सर्दी के दिनों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो जाती है। इस मौसम में सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

इस मौसम में लोग पानी भी कम पीते हैं। इससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। जबकि इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है। इन दिनों सर्दी, खांसी और बलगम से संबधित मामले अधिक देखे जाते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो सर्दी के दिनों में सेहत का विशेष ख्याल रखना पड़ता है। अगर कोई कोताही बरतते हैं, तो सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके लिए सर्दी के दिनों में लोग मूंगफली का सेवन करते हैं। आयुर्वेद में मूंगफली को दवा माना जाता है। इसमें कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व जैसे जिंक, आयरन, मैगनेश्यिम पाए जाते हैं। इसके सेवन से कई बीमारियों में आराम मिलता है। खासकर डायबिटीज और बढ़ते वजन के लिए दवा समान है।

साथ ही इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

इम्यून सिस्टम मजबूत होता है सर्दी के दिनों में मूंगफली के सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। साथ ही शरीर में ऊष्मा का संचार होता है, जिससे ठंड कम लगती है। इसके लिए आप मूंगफली की चिक्की खा सकते हैं। हृदय आघात का खतरा कम हो जाता है जैसा कि हम सब जानते हैं कि सर्दी के दिनों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है। इससे दिल और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। डॉक्टर्स सर्दियों में इन रोगों से बचने के लिए मूंगफली खाने की सलाह देते हैं।

मूंगफली के सेवन से सर्दियों में होने वाली बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है।

मूंगफली के सेवन से मेटाबॉलिज़्म बूस्ट होता है। मूंगफली में बीटा कैरोटीन पाया जाता है, जिससे संपूर्ण शरीर में रक्त संचार सुचारू रूप से होता है। साथ ही त्वचा में नमी बनी रहती है। हड्डियां मजबूत होती हैं सर्दी के दिनों में धूप की कमी से शरीर में विटामिन-डी की कमी हो जाती है। इसके लिए मूंगफली दवा समान है। मूंगफली में कैल्शियम और विटामिन-डी पर्याप्त मात्रा में होती है। मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती हैं। त्वचा में निखार आता है मूंगफली में ओमेगा 6 पाया जाता है जो त्वचा की नमी को बनाए रखता है। कई त्वचा विशेषज्ञ मूंगफली के पेस्ट को फेसपैक लगाने की सलाह देते हैं। सर्दियों में त्वचा रूखी हो जाती है। इसके लिए मूंगफली दवा समान है।

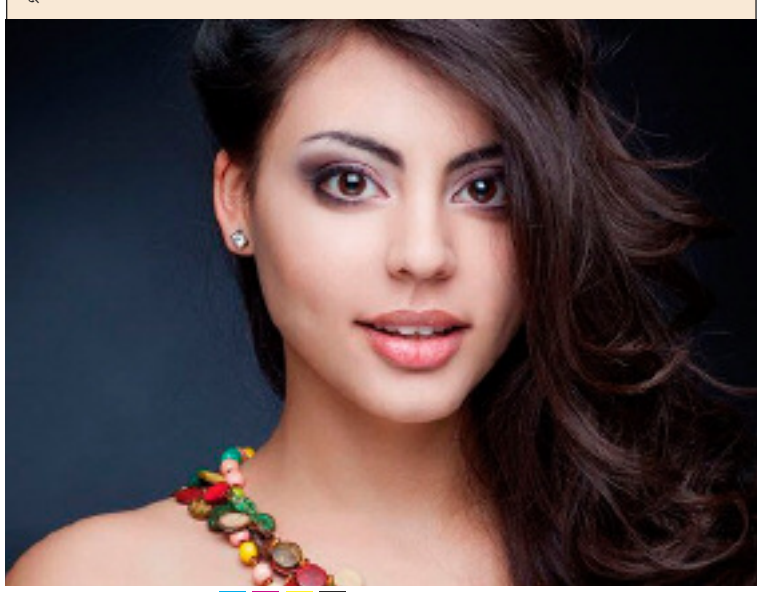

इन कारणों से सर्दियों में ज्यादा आती है नींद

सर्दियों में ज्यादा नींद आने का कारण घटता तापमान और खराब लाइफस्टाइल भी है। साथ ही कुछ अन्य कारणों को कंट्रोल करके आप सुबह जल्दी उठ सकते हैं। सर्दियों में आमतौर पर लोग ज्यादा आलसी हो जाते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी लोगों को सुबह उठने में होती है। जबकि सर्दियों के दिन छोटे और रात बड़े होते हैं पर फिर भी लोगों की नींद पूरी नहीं होती। इस आलस और नींद के पीछे जहां हमारी खराब होती लाइफस्टाइल का हाथ है, वहीं कुछ साइंस और बायोलॉजिकल रीजन भी हैं। जी हां, सर्दियों में ज्यादा नींद आने का एक बड़ा कारण दिन और लाइट की प्राकृतिक स्थिति भी है। इसी नेचुरल सेटअप से हमारी मानसिक और शारीरिक गतिविधियां भी जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण हम ना चाह कर भी सर्दियों में बाकी मौसम की तुलना में ज्यादा सोते हैं। तो, आइए आज समझते हैं कि सर्दियों में ज्यादा नींद आने का कारण

सर्दियों में ज्यादा नींद आने का कारण

सर्दियों में बढ़ जाता है मेलाटोनिन का स्तर

नींद को नियंत्रित करने में प्रकाश और अंधेरे की भी एक जरूरी भूमिका होती है। प्रकाश के संपर्क में आने से मस्तिष्क का वो क्षेत्र उत्तेजित होता है जो, मेलाटोनिन,शरीर के तापमान और हार्मोन को नियंत्रित करता है। ये तीनों ही शरीर में नींद की गतिविधि को प्रभावित करते हैं। मेलाटोनिन की बात करें, तो ये नींद बढ़ाती है और सूर्य के अस्त होने के साथ इसका स्तर भी बढ़ता चला जाता है। इस तरह से जब सर्दियों में सूरज कम ही देर तक रहता है और इसकी रौशनी भी उतनी स्ट्रोंग नहीं होती, तो मेलाटोनिन बढ़ता है और नींद आती रहती है।

तापमान में गिरावट

हमारे शरीर को वास्तव में सो जाने के लिए ठंडा करने की ज रू र त होती है। ज ब गर्मियों में ता प मा न बढ़ जाता है, तो लोगों को सही से नींद नहीं आती है। इस दौरान लोग घुटन और गर्मी से जूझते रहते हैं। इससे उल्ट ठंडा वातावरण नींद को बढ़ाता है और सोने में मदद करता है। तो इसलिए जब सर्दी बढ़ती है, तो हमें ज्यादा अच्छी नींद आती है।

हार्मोनल असंतुलन के कारण

सर्दियों में आस-पास का कम रोशनी वाला डिम माहौल हार्मोनल संतुलन को प्रभावित करता है। साथ ही लोग अपने घरों को बंद रखते हैं और आर्टिफिशयल इलेक्ट्रॉनिक लाइट्स का इस्तेमाल करते हैं, जो कि नेचुरल हार्मोनल संतुलन को बाधित करता है और नींद बढ़ाने वाले हार्मोन को ट्रिगर करता है। साथ ही ब्लू लाइट के कारण हमारी आंखें तो थक जाती हैं पर नींद सही से नहीं आ पाती। ये सब हमें सही से सोने नहीं देता और हम हर समय आलसी महसूस करते हैं।

सर्दियों का खान-पान

सर्दियों में हमारा खान-पान गर्मियों की तुलना में गर्म और ज्यादा एनर्जी भरा होता है। फिर जब टेंप्रेचर घटने के साथ शरीर को गर्म रखने के लिए हमें और ज्यादा गर्मी की जरूरत होती है, तो हम गर्मियों की तुलना और ज्यादा खाना खाते हैं। ये चीजें जैसे ही बॉडी में तापमान को संतुलित करती है, बॉडी आराम में आ जाती है और व्यक्ति को नींद आने लगती है।

गलत लाइफस्टाइल

सर्दियों में ज्यादातर लोग शारीरिक गतिविधियों को करने से बचते हैं। जितनी ज्यादा सर्दी बढ़ती है, उतना शरीर स्थिर होता जाता है। इसके कारण लोगों में ज्यादा फैट और कार्ब्स का संचय होता है, जो कि नींद बढ़ाने का काम करते हैं। साथ ही सुबह देर से उठना और रात में देर तक जगना नींद के संतुलन को और बिगाड़ देता है, जिसके कि हम खुद को दिन भर आलसी महसूस करते हैं।

सुबह जल्दी उठने का उपाय

नेशनल स्लीप फाउंडेशन के अनुसार, कम से कम 10 मिनट एरोबिक एक्सरसाइज करना जैसे कि वॉकिंग और साइकिल चलाना आपको एक्टिव रखने में मदद कर सकता है। इसके अलावा सर्दियों की सुबह जल्दी उठने के लिए आप कई और चीजों की मदद ले सकते हैं। जैसे कि रात को सोने से पहले और सुबह उठते ही पानी पिएं, जिससे कि शरीर को जगाने में आसानी होती है। खुद को एक्टिव रखने के लिए एक्सरसाइज करें, जो कि बॉडी क्लॉक को सेट करने में मदद करेगा। बिस्तर से उठने के कुछ देर बाद ही नहा लें। ऐसा इसलिए कि पानी बॉडी के तापमान में बदलाव करेगा।

दिख रहे हैं ये बदलाव तो ना करें इंग्नोर, हाई कोलेस्ट्रॉल का इशारा

अगर आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ रही है तो उसके लक्षण आप अपने पैरों में देख सकते हैं. अगर आपके शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ रहा है तो समझ लीजिए आपके कई और बीमारियां जकड़ने वाली है,यह एक साइलेंट किलर है. इसलिए पहले ही सावधान हो जाएं, अपने पैरों के बदलते रंग और पैरों में दिखने वाले कुछ बदलाव से आप इसके लक्षण का अंदाजा लगा सकते हैं.

कुछ स्थितियों में पैरों का रंग बैंगनी या नीली दिखाई देने लगता है, अगर बिना वजह आपके पैरों में दर्द रहता है, तो यह कोलेस्ट्रॉल के लक्षण हो सकते हैं. इसके अलावा थकान, पैरों में भारीपन जैसे लक्षण भी कोलेस्ट्रॉल के हो सकते हैं. इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना ही बेहतर है.

पैरों का रंग बदलना

अगर आपके पैरों का रंग बदलने लगता है तो समझिए आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ रहा है, जैसे अगर खून की कमी होगी तो पैरों में कई जगह लाल रंग कम दिखेगा, इसके साथ ही नाखूनों का रंग सफेद हो जाएगा

पैरों में दर्द होना

पैरों में बहुत ज्यादा दर्द रहेगा, जैसे आपकी नसें खींच रही हो और चलने में भी दर्द होगा. बेवजह कमजोरी आना और थकान लगना, ऊंगलियों को मुड़ जाना.

पैरों में एंठन आना

अचानक रात को सोते सोते पैर मुड़ जाते हैं, बहुत तेज दर्द होता है, क्रैम्स होते हैं, ये भी हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण हैं. कई बार पैर ठंडे भी हो जाते हैं.

BNM Fantasy

Wednesday
13 December 2023

दीपिका पादुकोण बनीं हेयर स्टाइलिस्ट

दीपिका पादुकोण इन दिनों लंदन में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ फोटोज शेयर की। फोटोज में दीपिका अपनी बेस्ट फ्रेंड्स स्नेहा रामचंदर और दिव्या नारायण के साथ नजर आ रही हैं। अपनी बेस्टी को हेयर स्टाइल में मदद करते हुए दीपिका की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हाल ही में दीपिका की दोस्त स्नेहा रामचंदर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की। फोटो में दीपिका बहुत ध्यान से अपनी बेस्ट फ्रेंड के बाल बनाती नजर आ रही हैं। स्नेहा ने कैप्शन लिखा- दीपिका पादुकोण मेरे बाल बनाती हुईं। असिस्टेंट के तौर पर हमारी दोस्त दिव्या नारायण भी मौजूद हैं।

रणबीर कपूर के साथ इंटीमेट सीन देने पर तृप्ति डिमरी ने किया रिएक्ट

रणबीर कपूर की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म में दो दिनों में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। जैसे-जैसे फिल्म सक्सेस की ओर बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे फिल्म के कई पहलुओं पर लोग बात कर रहे हैं। 'एनिमल' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बीच रणबीर कपूर और तृप्ति डिमरी के बीच फिल्माया गया इंटिमेट सीन भी काफी चर्चा में है। सोशल मीडिया पर रणबीर और तृप्ति के बीच के न्यूड सीन को लेकर काफी हलचल मची है। कुछ फैंस ने इस क्राफ्ट की तारीफ की, तो कुछ ने इसे हाइरेटेड मूवी बात कर परिवार के साथ न देखने की नसीहत दी। इस बीच ऐक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने रणबीर के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है। एनिमल' में रणबीर कपूर का तृप्ति डिमरी के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर दिखाया है। फिल्म में दोनों का इंटीमेट सीन है। सोशल मीडिया पर उस समय सीन से जुड़ी एक फोटो वायरल हुई है, जिसमें तृप्ति सेमी न्यूड लेटी हैं और रणबीर उनके पेट पर सिर रखे हुए हैं। रणबीर के साथ थोड़े टाइम के लिए ही तृप्ति ने स्क्रीन स्पेस शेयर किया है। उनके साथ काम करने की एक्सपीरियंस ने एक्ट्रेस ने कहा कि वह दोबारा रणबीर के साथ कोलैबोरेट करने की उम्मीद रखती हैं। इस फिल्म ने दो दिनों में 100 करोड़ के पार की कमाई कर डाली है। शनिवार को मूवी ने 66.27 करोड़ की कमाई की।

फेक न्यूज पर फूटा कृति सेनन का गुस्सा

कृति सेनन ने लिया लीगल एक्शन

नेशनल अवॉर्ड विनर कृति सेनन (Kriti Sanon) को लेकर खबरें चल रही हैं कि उन्होंने करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण के एक एपिसोड में कुछ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स का प्रमोशन किया है। अब अभिनेत्री ने इन खबरों को झूठा बताकर लीगल एक्शन लिया है। एक्ट्रेस से बिजनेसवुमन बनीं कृति सेनन आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। अभिनेत्री पिछले साल चैट कॉफी विद करण में पहुंची थीं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि अभिनेत्री ने शो में ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स का प्रमोशन किया है। अभिनेत्री ने इन खबरों को झूठा बताया है। कृति सेनन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ न्यूज के स्क्रीनशॉट को शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने 'फेक न्यूज' का स्टिकर लगाया है। साथ ही लिखा है, "फेक न्यूज अलर्ट।" यही नहीं, अभिनेत्री ने एक स्टेटमेंट जारी कर फेक न्यूज फैलानों वालों पर लीगल एक्शन लेने की बात कही है।कृति सेनन ने स्टेटमेंट जारी कर कहा, "कॉफी विद करण में मेरे द्वारा कुछ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को प्रमोट करने के बारे में कई आर्टिकल्स वायरल हो रहे हैं, जो झूठे हैं। यह आर्टिकल पूरी तरह से फर्जी और झूठे हैं और बेईमानी व गलत इरादे से प्रकाशित किए गए हैं। यह आर्टिकल मानहानिकारक हैं और मुझे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से जोड़ने का झूठा दावा कर रहे हैं।"कृति सेनन ने आगे कहा, "मैंने शो में कभी भी किसी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के बारे में बात नहीं की है। मैंने ऐसे झूठे आर्टिकल्स और रिपोर्टों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है और कानूनी नोटिस जारी किया है। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि ऐसी झूठी, फर्जी और मानहानिकारक रिपोर्टों से सावधान रहें।" कृति सेनन अभिनेत्री होने के साथ-साथ अब एक प्रोड्यूसर भी बन गई हैं, जो जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'दो पत्ती' को प्रोड्यूस करेंगी। इस फिल्म में वह काजोल के साथ स्क्रीन भी शेयर करती दिखेंगी। इसके अलावा उनके पास फिल्मों की एक लंबी लिस्ट है, जिसमें 'द क्रू', 'हाउसफुल 5' और शाहिद कपूर के साथ रोमांटिक फिल्म शामिल है।